

सुधीर वि. (तत्.) अत्यधिक धैर्य वाला, बहुत धैर्यवान।

सुधुम्मानी स्त्री. (तत्.) पुराणानुसार पुष्कर द्वीप के सात खंडों में से एक।

सुधूपक पुं. (तद्.) चंद्रमा।

सुधूमवर्णा स्त्री. (तत्.) अग्नि की सात जिह्वाओं में से एक।

सुधोद्भव पुं. (तत्.) धन्वंतरि।

सुधोद्भवा स्त्री. (तत्.) हरीतकी या हरे नामक वनस्पति।

सुधोपम वि. (तत्.) अमृत के समान, अमृततुल्य।

सुधौटी स्त्री. (तत्.) अमृत का पात्र।

सुनंद पुं. (तत्.) 1. एक देवपुत्र 2. बलराम का मूसल 3. वास्तुशास्त्र में बारह प्रकार के राजभवनों में से एक वि. आनंद देने वाला।

सुनंदन पुं. (तत्.) श्री कृष्ण के एक पुत्र का नाम।

सुनंदा स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती, उमा 2. श्री कृष्ण की एक पत्नी 3. भरत की पत्नी 4. एक प्राचीन नदी 5. सफेद गाय 6. गोरोचन 7. अर्कपत्री 8. स्त्री।

सुनंदिनी स्त्री. (तत्.) 1. आरामशीतला नामक पत्रशाक 2. एक छंद का नाम।

सुन/सुन्न वि. (तद्.) 1. शून्य 2. सुन्न, चेतना रहित।

सुनका पुं. (देश.) पशुओं के गले का एक रोग, गरारा।

सुनकातर पुं. (देश.) एक प्रकार का साँप।

सुनकार वि. (देश.) जो गाना-बजाना सुनने-समझने वाला हो, गाने का पारखी, गाने को सुनकर उसे समझने वाला।

सुनक्षत्र पुं. (तत्.) उत्तम नक्षत्र वि. 1. अच्छे भाग्य वाला 2. अच्छे नक्षत्र वाला।

सुनक्षत्रा स्त्री. (तत्.) 1. स्कंद की एक मातृका 2. कर्म मास (सावन मास) का दूसरा नक्षत्र।

सुनख पुं. (तत्.) सुंदर नाखून।

सुन-गुन स्त्री. (देश.) किसी बात को लेकर लोगों में होने वाली दबी जुबान में चर्चा।

सुनजर वि. (तद्.) अच्छी नजर, दयावान, कृपालु।

सुनट पुं. (तत्.) सुंदर पट या वस्त्र वि. सुंदर वस्त्रों से युक्त, अच्छे कपड़ों वाला।

सुनत स्त्री. (तद्.) सुन्नत, मुसलमानों का एक संस्कार। स.क्रि. सुनना।

सुनना स.क्रि. (तद्.) 1. कानों के द्वारा ध्वनि, शब्द आदि की अनुभूति होना 2. सुनकर ज्ञान प्राप्त करना जैसे- खबर सुनना 3. किसी की प्रार्थन आदि पर विचार करने के लिए सहमत होना जैसे- आपकी फरियाद सुनी जाएगी 4. किसी के कठोर वचनों को सुनकर भी प्रतिवादन करना।

सुनपा वि. (तत्.) बहुत अधिक तपने वाला, बहुत अधिक तपस्या करने वाला पुं. सूर्य, विष्णु।

सुनपेय पुं. (तत्.) यज्ञ में सोम पीने की क्रिया, सोमपान।

सुनबहरी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का चर्म रोग।

सुनम्य वि. (तत्.) 1. जो सहज रूप में झुकाया या दबाया जा सके 2. लचीला पुं. रासायनिक प्रक्रियाओं से तैयार किया हुआ गीला द्रव्य जो सभी प्रकार के साँचों में ढाला जा सकता है और जिससे खिलौने, जूते आदि विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ बनाई जाती हैं।

सुनय पुं. (तत्.) 1. उत्तम नीति, सुनीति 2. अच्छा चरित्र, सदाचरण।

सुनयन पुं. (तत्.) हिरन वि. सुंदर नेत्रों वाला 2. सुंदर नयन।

सुनयना स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर स्त्री 2. राजा जनक की पत्नी वि. सुंदर नेत्रों वाली।

सुनर पुं. (तत्.) अर्जुन वि. सुंदर नर, नरों में श्रेष्ठ।

सुनरिया स्त्री. (देश.) सुंदरी, रूपवती स्त्री।